KVS(DR)/2025/KM

KENDRIYA VIDYALAYA SANGHTHAN, DELHI REGION

PRE BOARD –II EXAMINATION 25-26

Class 12th **Subject- Hindi**

M.M. 80 **Time: 3 hours**

सामान्य निर्देश:-

- यहप्रश्न-पत्र तीन खण्डों खंड क, ख और ग में विभाजित है।
- खंड-क में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों के उत्तर देने अनिवार्य है।
- खंड-ख में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- खंड-ग में पाठ्यपुस्तक आरोह भाग -2 एवं वितान भाग -2 से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।
- तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव तीनों खण्डों के प्रश्नों के उत्तर क्रमश: लिखिए।

खंड -क (अपठित बोध)

1.निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 10

जब कोई युवा पुरुष अपने घर से बाहर निकलकर बाहरी संसार में अपनी स्थिति जमाता है, तब पहली कठिनता उसे मित्र चुनने में पड़ती है। यदि उसकी स्थिति बिल्कुल एकांत और निराली नहीं रहती तो उसकी जान-पहचान के लोग धड़ाधड़ बढ़ते जाते हैं और थोड़े ही दिनों में कुछ लोगों से उसका हेल-मेल हो जाता है। यही हेल-मेल बढ़ते-बढ़ते मित्रता के रूप में परिणित हो जाता है।मित्रों के चुनाव की उपयुक्तता पर उसके जीवन की सफलता निर्भर हो जाती है क्योंकि संगत का गुप्त प्रभाव हमारे आचरण पर बड़ा भारी पड़ता है। हम लोग ऐसे समय में समाज में प्रवेश करके अपना कार्य आरम्भ करते हैं, जबकि हमारा चित्त कोमल और हर तरह से संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है। हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्ति अपरिपक्व रहती है । हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते है , जिसे जो जिस रूप में चाहे उसे उस रूप में ढाले, चाहे राक्षस बनाए चाहे देवता।

ऐसे लोगो का साथ करना हमारे लिए बुरा है जो हमसे अधिक दृढ़ संकल्प है, क्योंकि हमें उनकी हर बात बिना विरोध के मान लेनी पड़ती है। पर ऐसे लोगो का साथ करना और भी बुरा है जो हमारी ही बात को ऊपर रखते हैं, क्योंकि ऐसी दशा में न तो हमारे ऊपर कोई नियंत्रण रहता है और न हमारे लिए कोई सहारा । दोनों अवस्थाओं में जिस बात का भय रहता है, उसका पता युवकों को प्रायः बहुत कम रहता है। यदि विवेक बुद्धि से काम लिया जाए तो यह भय नहीं रहता, पर युवा पुरुष प्रायः विवेक से कम काम लेते है। कैसे आश्चर्य की बात है कि लोग एक घोड़ा लेते है तो उसके सौ गुण-दोष को परख कर लेते है पर किसी को मित्र बनाने में उसके पूर्व आचरण और स्वभाव आदि का कुछ भी विचार और अनुसंधान नहीं करते।वे उसमें सब बातें अच्छी ही अच्छी मान कर अपना पूरा विश्वास जमा देते हैं।हँसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग, थोड़ी चतुराई या साहस-यही दो चार बातें किसी में देख कर लोग चटपट उसे

अपना बना लेते है। हम लोग यह नहीं सोचते कि मैत्री का उद्देश्य क्या है, क्या जीवन के व्यवहार में उसका कुछ मूल्य भी है । यह बात नहीं सूझती की यह ऐसा साधन है, जिसमें आत्मशिक्षा का कार्य बहुत सुगम हो जाता है। एक प्राचीन विद्वान का वचन है, "विश्वास पात्र मित्र से बड़ी भारी रक्षा रहती है। जिसे ऐसा मित्र मिल जाए उसे समझना चाहिए कि खजाना मिल गया |" विश्वास पात्र मित्र जीवन की औषधि है। हमें अपने मित्रों से यही आशा रखनी चाहिए कि वे उत्तम संकल्पों से हमें दृढ़ करेंगे, दोषों और त्रुटियों से हमें बचाएंगे हमारे सत्य, पवित्रता और मर्यादा के प्रेम को पुष्ट करेंगे, जब हम कुमार्ग पर पैर रखेंगे तब वे हमें सचेत करेंगे, जब हम हतोत्साहित होंगे तब हमें उत्साहित करेंगे । सारांश यह है कि हमें उत्तमतापूर्वक जीवन निर्वाह करने में वे हर तरह से हमारी सहायता करेंगे ।

(I) मनुष्य कैसे समय में समाज में प्रवेश करके अपना कार्य आरम्भ करता है? 01

(क)जबकि हमारा चित्त कोमल और हर तरह का संस्कार ग्रहण करने योग्य रहता है |
(ख) हमारे भाव अपरिमार्जित और हमारी प्रवृत्तिअपरिपक्व रहती है।
(ग) हम लोग कच्ची मिट्टी की मूर्ति के समान रहते हैं |
निम्नलिखित में से कौन-सा उपयुक्त उत्तर है: -
(क) केवल 'क' सही है (ख) 'क' और ' ख' ही सही है
(ग) 'क' और 'ग' सही है(घ) क,ख,ग तीनों सही है

(II) निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सत्य है? 01

(क) युवा पुरुष विवेक से काम लेते हैं |(ख) युवा पुरुष प्रायः विवेक से कम काम लेते हैं |
(ख)युवा पुरुष बल से काम करते हैं | (घ) युवा पुरुष बुद्धि से काम कम और बल से अधिक लेते हैं|

(III) विश्वास पात्र मित्र कैसा होता है ? 01

(क)विश्वास पात्र मित्र जीवन पर्यन्त हमारे साथ ही रहता है| (ख) वह हमेशा हमारे साथ नहीं रहता |
(ख)विश्वास पात्र मित्र जीवन की औषधि है| (घ) विश्वास पात्र मित्र सबसे बड़ी आवश्यकता है|

(IV) लोग गुण और दोषों की परख किसके समान करते हैं ? 01

(V) हमें किस स्वभाव के लोगों को मित्र नहीं बनाना चाहिए ? 02

(VI) किसी को मित्र बनाते समय ज्यादातर लोग क्या देखते हैं ? 02

(VII) सच्चे मित्र का क्या कर्तव्य होता है ? 02

2.निम्नलिखित अपठितकाव्यांशकोपढ़करपूछेगएप्रश्नोंकेउत्तरलिखिए- 08

एक नहीं,दो नहीं करो बीसों समझौते,

पर स्वतंत्र भारत का मस्तक नहीं झुकेगा |

अगणित बलिदानों से अर्जित यह स्वतंत्रता ,

अश्रु स्वेद शोणित से सिंचित यह स्वतंत्रता |

त्याग तेज तपबल से रक्षित यह स्वतंत्रता ,

दुखी मनुजता के हित अर्पित यह स्वतंत्रता |

इसे मिटाने की साजिश करने वालों से कह दो ,

चिंगारी का खेल बुरा होता है|

औरों के घर आग लगाने का जो सपना,

वो अपने ही घर में सदा खरा होता है |

अपने ही हाथों तुम अपनी कब्र ना खोदो ,

अपने पैरों आप कुल्हाड़ी नहीं चलाओ |

ओ नादान पड़ोसी अपनी आँखें खोलो ,

आज़ादी अनमोल न इसका मोल लगाओ |

पर तुम क्या जानों आज़ादी क्या होती है ,

तुम्हे मुफ़्त में मिली न कीमत गयी चुकाई |

अंग्रेजों के बल पर दो टुकड़े पाए है ,

माँ को खंडित करते तुमको लाज न आई ।

(I) स्वतंत्रता के बारे में कौन-सा कथन सत्य है- 01

(क)यह स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान के फलस्वरूप हमें प्राप्त हुई|

(ख)स्वतंत्रता का उद्देश्य दीन- दुखियों की सेवा करना है|

(ग) केवल 'क' सही है |

(घ) (घ) 'क' और 'ख' दोनों सही है |

(II) निम्नलिखित में से कौन-सा वाक्यांश मुहावरा नहीं है- 01

(क)आग लगाना (ख) सदा खरा होना (ग) हमेशा बीमार रहना (घ) पैरों पर कुल्हाड़ी मारना

(III) माँ को खंडित करते तुमको लाज न आई – यह कथन किस विभीषिका की ओर संकेत करता है - 01

(क)देश का विभाजन (ख) बंगाल का विभाजन

(ग) खेत के बंटवारे की ओर (घ) घर का बंटवारा

(IV) उस पंक्ति को अलग करके लिखिए जिसमें कहा गया है कि स्वतंत्रता को देशवासियों ने अपने खून –पसीने से सींचा है ? 01

(V) स्वतंत्रता के बारे में क्या-क्या कहा गया है ? 02

(VI) नादान पड़ोसी से क्या कहा गया है ? 02

खंड -ख

3.निम्नलिखित दिए गए विषयोंमेंसेकिसीएकविषयपरलगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए- 06

(क) स्वप्न में प्रिय खिलाड़ी से मुलाकात
(ख)जन्मदिन पर वृक्षारोपण
(ग)मोबाइल : वरदान भी अभिशाप भी

4. निम्नलिखितमेंसेकिन्हींचारप्रश्नोंकेउत्तरलगभग 40 शब्दोंमेंदीजिए- 8

(क) रेडियो समाचार लेखन के लिए किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? 2
(ख) टेलीविजन समाचार में एंकर बाइट का क्या महत्व है ? 2
(ग) उलटा पिरामिड शैली के विकास के बारे में आप क्या जानते हैं ? 2
(घ) सम्पादकीय को अख़बार की आवाज क्यों माना जाता है ? 2
(ङ) बीट रिपोर्टिंग और विशेषीकृत रिपोर्टिंग में क्या अंतर होता है ? 2

5. निम्नलिखितमेंसेकिन्हींदोप्रश्नोंकेउत्तरलगभग80 शब्दोंमेंदीजिए- 8

(क) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय हमें किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ? 4
(ख) रेडियो नाटक में संवाद का बड़ा महत्त्व होता है । क्यों? 4
(ग) नए एवं अप्रत्याशित विषयों पर लेखन का विषय दो खम्भों के बीच बंधी रस्सी की तरह नहीं होता बल्कि वह खुले मैदान की तरह होता है, कैसे ? 4

खंड -ग

6. निम्नलिखितकाव्यांशकोपढ़करपूछेगएप्रश्नोंके सर्वाधिकउपयुक्त उत्तर वाले विकल्प को चुनकर लिखिए:- **5**

सुत बित नारि भवन परिवारा । होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ||

अस बिचारि जिय जागहु ताता । मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ||

जथा पंख बिनु खग अति दीना । मणि बिनु फनि करिबर कर हीना ||

अस मम जिवन बन्धु बिनु तोही । जौ जड़ दैव जियावै मोहीं ||

जैहों अवध कवन मुँह लाई । नारि हेतु प्रिय भाइ गंवाई ||

बरु अपजस सहतेउ जग माहीं । नारि हानि विशेष छति नाहीं ।।

अब अपलोक शोक सुत तोरा । सहहि निठुर कठोर उर मोरा ||

(I) हमें संसार में दुबारा क्या नहीं मिल सकता? 1
(क) पुत्र (ख) भवन (ग) भाई (घ) धन दौलत

(II) लक्ष्मण के बिना राम का जीवन कैसा होगा ? 1
(क)जैसे पंख के बिना पक्षी (ख) जैसे मणि के बिना नाग
(ग) जैसे सूंड के बिना हाथी (घ) उपर्युक्त तीनों

(III) काव्यपंक्तियों में कौन-सा छंद है ? 1
(क)चौपाई (ख) दोहा (ग) सोरठा (घ) उपर्युक्त तीनों

(IV) काव्यांश की भाषा कौन सी है ? 1
(क)ब्रज (ख) अवधी ((ग) दोनों (घ) इनमें से कोई नहीं

(V) निम्नलिखित कथन- कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए – 1
कथन –काव्यांश में श्रीराम ने कहा कि - नारि हानि विशेष छति नाहीं
कारण – श्रीराम मानवीय लीला करते हुए विलाप कर रहे हैं और विलाप करते हुए मनुष्य कुछ भी बोल देता है |

(क) कथनगलत है तथा कारणसही है।
(ख) कथनतथा कारणदोनों सही हैं।
(ग) कथनसही है लेकिन कारणउसकी गलत व्याख्या करता है।
(घ) कथनतथा कारणदोनों गलत हैं।

7. काव्य-खंडपरआधारितनिम्नलिखिततीनप्रश्नोंमेंसेकिन्हीदोप्रश्नोंकेउत्तरलगभग 60 शब्दोंमेंदीजिए:- **6**

(क). 'आत्मपरिचय' कविता में कवि ने ऐसा क्यों कहा है कि 'मैं भव मौजों पर मस्त बहा करता हूँ'? 3
(ख). 'छोटा मेरा खेत' कविता में 'रस का अक्षय पात्र'किसे और क्यों कहा गया हैं ? 3
(ग).कैमरे में बंद अपाहिज करुणा के मुखौटे में छिपी क्रूरता की कविता है। कैसे ? इस कथन पर अपने विचार व्यक्तकीजिए | 3

8. काव्य-खंडपरआधारितनिम्नलिखिततीनप्रश्नोंमेंसेकिन्हीदोकेउत्तरलगभग 40 शब्दोंमेंदीजिए:- 4

(क)'पतंग' कविता में कवि ने शरद ऋतु का चित्रण किस प्रकार किया है ? 2
(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने 'बादल राग 'कविता में 'विप्लव के वीर ! ' किसे कहा है और क्यों ? 2
(ग)'उषा' कविता में ग्रामीण परिवेश का चित्रण किस प्रकार किया गया है ? 2

9. निम्नलिखितगद्यांशकोपढ़करदिएगएप्रश्नोंकेसहीउत्तरवालेविकल्पकोचुनिए- 5

मै सोचता हूँ कि पुराने की यह अधिकार लिप्सा क्यों नही समय रहते सावधान हो जाती ? जरा और मृत्यु , ये दोनों ही जगत के अति परिचित और अतिप्रामाणिक सत्य है । तुलसीदास ने अफ़सोस के साथ इनकी सच्चाई पर मुहर लगाई थी – 'धरा को प्रमान यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना|' मै शिरीष के फूलों को देख कर कहता हूँ कि क्योंनहीं फलते ही समझ लेते बाबा कि झड़ना निश्चित है! सुनता कौन है ? महाकाल देवता सपासप कोड़े चला रहे हैं, जीर्ण और दुर्बल झड़ रहे हैं, जिनमें प्राणकण थोड़ा भी उर्ध्वमुखी है, वे टिक जाते हैं। दुरंत प्राणधारा और सर्वव्यापक कालाग्नि का संघर्ष निरंतर चल रहा है। मूर्ख समझते है कि जहाँ बनें है, वहीं देर तक बने रहें तो कालदेवता की आँख बचा जाएँगे। भोले हैं वे। हिलते -डुलते रहो, स्थान बदलते रहो, आगे की ओर मुँह किए रहो तो कोड़े की मार से बच भी सकते हो, जमें कि मरे|

(I) इस संसार का अटल सत्य क्या है ? 1
(क)बूढ़ा होना और मृत्यु को प्राप्त होना (ख) जलकर मृत्यु को प्राप्त होना
(ग)धीरे-धीरे मृत्यु की ओर अग्रसर होना (घ) विद्यालय जाना और पढ़ाई करना

(II) शिरीष के फल कैसे होते हैं ? 1
(क)अत्यंत स्वादिष्ट (ख) अत्यंत कठोर (ग) कोमल और स्वादिष्ट (घ) शिरीष में फल नहीं लगता

(III) संसार में निरंतर संघर्ष किसके बीच चल रहा है ? 1
(क) मानव और दानव (ख) गरीबी और अमीरी (ग) जीवन और मृत्यु (घ) यम और देवता

(IV) 'धरा को प्रमाण यही तुलसी जो फरा सो झरा, जो बरा सो बुताना|- इस कथन को – 1
(क) तुलसीदास ने बड़े अफ़सोस के साथ कहा क्योंकि वे मृत्यु से डरते थे|
(ख) तुलसीदास ने बड़े गर्व के साथ कहा क्योंकि वे मृत्यु से डरते नहीं थे|
((ग) तुलसीदास ने अपनी मृत्यु के समय कहा था|
(घ) तुलसीदास ने बड़े अफ़सोस के साथ कहा क्योंकि वे मृत्यु के सत्य को जानते थे|

(V) पाठ और लेखक के सही मेल का विकल्प चुनकर लिखिए। 1
(क)शिरीष के फूल – जैनेन्द्र कुमार (ख) शिरीष के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
(ग) पतंग –रघुवीर सहाय (घ) शिरीष के फूल – फणीश्वर नाथ रेणु

10.**गद्यखंडपरआधारितनिम्नलिखिततीनप्रश्नोंमेंसेकिन्हींदोकेउत्तरलगभग 60 शब्दोंमेंलिखिए_-** 6

(क). भगत जी जैसे व्यक्तित्व वाले ही बाजार को असली सार्थकता प्रदान कर सकते हैं । कैसे ?बाज़ार दर्शन पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए| 3
(ख.)जाति प्रथा भारतीय समाज में बेरोजगारी व भुखमरी का एक कारण है कैसे ? क्या यह स्थिति आज भी है? 3
(ग.)जीजी ने त्याग और दान के बारे में ऋषि-मुनियों की किस बात को तर्क के साथ प्रमाणित किया ? काले मेघा पानी दे पाठके आधार पर लिखिए| 3

11. गद्यखंडपरआधारितनिम्नलिखिततीनप्रश्नोंमेंसेकिन्हींदोकेउत्तरलगभग 40 शब्दोंमेंलिखिए- 4

(क.) लुट्टन के बाल विवाह को लेखक ने सौभाग्य की बात क्यों कही है ? 2
(ख.)शिरीष को अद्भुत अवधूत क्यों कहा गया है? 2
(ग.)महादेवी वर्मा के आदेश के बावजूद भक्तिन ने पढ़ने-लिखने की बात को स्वीकार क्यों नहीं किया ? 2

12.वितान पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए- 10
(क)किशन दा के चले जाने के बाद यशोधर बाबू ने किन-किन परम्पराओ को जीवित रखने के लिए प्रयास किए?पुरानी परम्पराओं के बारे में आज की पीढ़ी का क्या विचार है ? सिल्वर वैडिंग पाठ के आधार पर लिखिए| 5

(ख.)खेत में काम होने पर पाठशाला से गैरहाजिर होना ही चाहिए। लेखक आनंद यादव के इस कथन पर विचार करते हुएशिक्षा के लिए किए गए उसके संघर्ष पर प्रकाश डालिए ? 5

(ग.)यदि आप पर्यटक के रूप में मोहनजोदड़ो जाएं तो आप क्या–क्या देखना चाहेंगे और क्यों ? अतीत में दबे पाँव पाठ केआधार पर लिखिए| 5